# एकाइ ७ · पदमार्ग

अध्ययन टिपोट

**BLE मा कस्तो प्रश्न सोधिन्छ**

- **CDC को तालिका एकाइ होइन, सिप जाँच्छ:** शब्दभण्डार ६ · वर्णविन्यास ३ · भाषिक संरचना ७ · पठन बोध ७ · बुँदा टिपोट र सारांश लेखन ४ · निर्देशित रचना ३ · व्यावहारिक लेखन ३ · भाव विस्तार/व्याख्या ३ · पाठगत बोध ९ · निबन्ध लेखन ५
- **शब्दार्थ (२):** होमस्टे, ट्रेकिङ (आगन्तुक)
  - शुभारम्भ
  - भूस्वर्ग
  - आतिथ्य
- **शब्द पहिचान (२):** अनेकार्थी, श्रुतिसमभिन्नार्थी
  - हार
  - कल
  - दर
  - मास
  - ताल
  - उत्तर
- **वाक्य रचना (२):** उखान, टुक्का: घैँटामा घाम लाग्नु
- **शुद्ध शब्द (१):**
  - व्यवसाय
  - शुभारम्भ
  - सङ्घर्ष
- **वाक्य सम्पादन (२):**
  - ह्रस्व
  - लेख्य चिह्न
  - दीर्घ
  - पदयोग
- **काल/पक्ष (२):** (जित्: भूत काल, पूर्ण पक्ष), (ल्याउ: अज्ञात पक्ष)
- **पठन बोध, व्याकरणिक (३):** ७५ शब्दसम्मको अनुच्छेदबाट
  - उपसर्ग
  - द्वित्व
  - कारक र विभक्ति
  - प्रत्यय
  - समस्त शब्द
- **निर्देशित रचना (३):** दैनिकी, संवाद वा मनोवाद; संवादमा
  - शीर्षक
  - हाउभाउ
  - पृष्ठभूमि
  - टुङ्गो
- **बुँदा टिपोट, सारांश (४); भाव विस्तार वा व्याख्या (३):** 'नेपालका कैयौँ पदमार्ग…'
- **पाठगत बोध (४, ५):** रूपक, संवाद; 'पदमार्ग विदेशी मुद्रा आर्जनको भरपर्दो माध्यम हो' जस्ता तर्क
- **निबन्ध लेखन (५):** नेपालको पर्यटन जस्ता वस्तुपरक शीर्षक; १२५ शब्दभन्दा नघटाई

## पाठको सार

- **विधा: संवाद** (रूपकअन्तर्गत): दुई वा बढी पात्रबिच एक विषयमा कुराकानी; लेखक बिचमा आउँदैन, कोष्ठकमा हाउभाउ
- **पदमार्ग:** पैदल हिँड्ने बाटो; **पदयात्रा (ट्रेकिङ):** प्रकृतिमा रमाउँदै, गाउँघरमा बास बस्दै पैदल घुम्नु
- **पथप्रदर्शक:** बाटो देखाउने व्यक्ति

| पात्र | बसोबास | पेसा | भूमिका |
|---|---|---|---|
| आङरिता शेर्पा | नाम्चे बजार | पर्यटन व्यवसायी | जानकार, उत्तर दिने |
| फातिमा खातुन | जनकपुर | खाद्यान्न व्यापारी | जिज्ञासु, टुङ्ग्याउने |
| ईश्वर राजवंशी | झापा | पत्रकार | अन्नपूर्ण घुमेका |
| सुप्रभा शाही | कालीकोट | बैङ्क कर्मचारी | भेटको प्रस्ताव |

**संवाद अंश अंश**

- **प्रस्ताव:** वर्षको एक पटक एकअर्काको घर; यसपालि सगरमाथा आधार शिविर; समाज, संस्कृति, भूगोल, भाषासँग साक्षात्कार; हार्दिकता, घनिष्ठता
- **अवधि:**
  - उच्च हिमाली (अन्नपूर्ण, लाङटाङ, माथिल्लो डोल्पा, मनास्लु, सगरमाथा आधार शिविर): दुईतीन हप्ता
  - पहाडी (बडिमालिका, चिसापानी, धुन्चे, शिवपुरी, घान्द्रुक, जिरी, सिन्धुलीगढी): दुईचार दिनदेखि पाँचसात दिन
- **ईश्वरको अन्नपूर्ण:** बेँसीसहर → मनाङ → **थोराङ ला** → मुक्तिनाथ; मार्फा, लेते, तातोपानी; **भूस्वर्ग;** संसारका चर्चित पदमार्गमा पाँचौँ (आङरिताका अनुसार)
- **सुप्रभाको बडिमालिका:** बाजुरा; मार्तडीबाट तीनचार दिन; शक्तिपीठ; अपि, सैपाल हिमशृङ्खला देखिने
- **फातिमाको सिम्रौनगढ:** बारा; वीरगन्जबाट पैदल एक दिन; प्राचीन तिरहुतको राज्य, **नान्यदेव;** कङ्काली माई, रानीबास; संरक्षण नभएको पीडा → पदयात्रा इतिहासको बाटो पनि
- **रोजगारी:** पदमार्गका गाउँमा होमस्टे, तालिम, स्थानीय रीतिअनुसार आतिथ्य → कला, चालचलन जोगिने, विदेशी मुद्रा
- **तर्कवितर्क:** 'होमस्टेले मात्र रोजगारी नबढ्ला' →
  - किसान (खाद्यान्न)
  - पथप्रदर्शक तालिम
  - झोला, जुत्ता, लट्ठीका पसल
  - घरेलु उद्योग (राडीपाखी, छुर्पी, चिज, खुवा)
- **निष्कर्ष:** पदमार्ग ज्ञान, पेसा, विदेशी मुद्रा, संस्कृतिको आदानप्रदानको **बहुआयामिक** बाटो
- **टुङ्गो:** नयाँ वर्षमा आधार शिविर; मौनता स्वीकृतिको लक्षण; ११ बजे खाना



Science Playground, कादुन्जे, भक्तपुर
https://science-playground.com/learn/grade-8-nepali/padamarg

## संवादका तत्त्व

| तत्त्व | यस संवादमा |
|---|---|
| आदि | कोष्ठकमा पात्र परिचय; भेट्ने प्रस्ताव |
| मध्य | प्रश्न, तर्कवितर्क, जानकारी |
| अन्त्य | सहमति: आधार शिविर जाने |
| हाउभाउ | (गम्भीर हुँदै), (चस्मा मिलाउँदै), (हाँस्दै) |
| भाषाशैली | बोलीचालीको: हो नि, सुनौँ न; उखान, टुक्का |

**सन्देश**

- पदमार्ग व्यवस्थित गरे ज्ञान, रोजगारी, विदेशी मुद्रा, संस्कृति संरक्षण सम्भव
- हिमाल मात्र होइन, पहाड र तराईका बाटा पनि घुम्न लायक
- सम्पदा नजोगाए हराउँछन्; नयाँ सोच, मिहिनेतले आफ्नै ठाउँमा काम

**शीर्षक:** कुरा बाटोबाट सुरु, त्यसैमा टुङ्गो; **मार्ग** = हिँड्ने बाटो र समृद्धितर्फको उपाय → सार्थक

| भनाइ | अर्थ |
|---|---|
| इन्द्रका अगाडि स्वर्गको बयान | जान्नेका अगाडि त्यही कुरा सुनाउनु |
| सुनमा सुगन्ध | राम्रोमा अझ राम्रो थपिनु |
| घैँटामा घाम लाग्नु | वास्तविक कुरा बल्ल खुल्नु |
| मौनता स्वीकृतिको लक्षण | नबोल्नु भनेको मान्नु |
| मन कटक्क हुनु | मनमा चोट लाग्नु |

## शब्दार्थ

**अन्तराल / साइत:** दुई समयबिचको अवधि / काम सुरु गर्ने राम्रो समय
**शुभारम्भ / दौँतरी:** असल कामको थालनी / एकै उमेरका साथी
**साक्षात्कार / भलाकुसारी:** आफैँ देख्ने, भोग्ने काम / दिल खोलेर कुराकानी
**हार्दिकता / घनिष्ठता:** मित्रता / निकटता
**अनुभूत / भूस्वर्ग:** अनुभव गरिएको / संसाररूपी स्वर्ग
**पारखी / अपरिहार्य:** गुणदोष छुट्याउन जान्ने / नभई नहुने
**शक्तिपीठ / मनोकामना:** देवीको मन्दिर / मनको इच्छा
**दर्शनीय / स्मृति:** हेर्न लायक / सम्झना
**सत्कार / राडीपाखी:** अतिथि सम्मान / ऊनका ओढ्ने, ओछ्याउने
**बहुआयामिक / अनुकूल:** धेरै पक्ष भएको / उपयुक्त
**संयोग / व्यापक:** अचानक हुने मिलन वा घटना / चारैतिर फैलिएको
**समाधि / खरिद:** मृत शरीर गाडिएको ठाउँ, ध्यानमा मग्न / किन्ने काम
**अनेकार्थी शब्द:** एउटै रूप, एकभन्दा बढी अर्थ; अर्थ वाक्यले भन्छ: गलामा **हार** (माला), खेलमा **हार** (पराजय)

- **साँचो:** सत्य; ताल्चा खोल्ने साधन
- **नगर:** सहर; निषेध (त्यसो नगर)
- **कलम:** लेख्ने साधन; कलमी
- **अर्थ:** मतलब; धन
- **गोल:** बाटुलो; अँगार
- **मास:** दालको एक प्रकार; महिना
- **जाल:** पासो; झेल
- **असार:** तेस्रो महिना; सार नभएको, खोक्रो
- **हात:** शरीरको अङ्ग; नाप; अधिकार
- **कल:** यन्त्र; धारा; टेलिफोनको कुराकानी; केरा
- **खरी:** सिलोटमा लेख्ने ढुङ्गो; मादलको मसला
- **ताल:** पानी जमेको ठाउँ; बाजाको मात्रा; मौका
- **दर:** भाउ; तिजअघिको रातको खाना
- **उत्तर:** जवाफ; एउटा दिशा; पछिको समय
- **पद, बाली, फल, धारा, तीर:** ओहोदा, खुट्टो; उब्जनी, गहना; रुखको फल, नतिजा; पानी आउने ठाउँ, कानुनको भाग; किनारा, काँड
- **श्रुतिसमभिन्नार्थी** लेखाइ फरक (दिन, दीन); **अनेकार्थी** लेखाइ एउटै

## व्याकरण: पूर्ण, अज्ञात, अभ्यस्त पक्ष

| पक्ष | बुझाउँछ | बनोट | उदाहरण |
|---|---|---|---|
| पूर्ण | काम सकिएको | धातु + एको + थियो, छ, हुने छ | गएको थियो, राखेका छन्, आएका हुने छन् |
| अज्ञात | पछि मात्र थाहा भएको | धातु + एछ | गएछ, रहेछ, बजिसकेछ |
| अभ्यस्त | पहिले बानी भएको | धातु + थ्यो | जान्थ्यो, जान्थे, जान्थिन् |

- पूर्ण: तीनै कालमा; महिला **एकी**, बहुवचन, आदर **एका:** गएकी थिइन्, हिँडेका छन्
- अज्ञात, अभ्यस्त: **भूत कालमा मात्र**
- **गयो:** बोल्नेलाई थाहा थियो; **गएछ:** पछि थाहा; **जान्थ्यो:** बारम्बार जाने
- सकर्मकको भूतमा कर्तामा 'ले': सुजनले खेल जितेको थियो; अभ्यस्तमा लगाउन पनि, नलगाउन पनि सकिने; अकर्मकमा लाग्दैन: सुजन घर गएको थियो

## वर्णविन्यास: ऋ र रि

- **ऋ, तत्सम:**
  - ऋषि
  - ऋतु
  - कृषि
  - ऋण
  - ऋचा
  - पृथ्वी
- **रि, नेपालीका:**
  - रिस
  - रित्तो
  - हरियो
- **रि, आगन्तुक:**
  - रिबन
  - रिक्सा
  - रिवाज
- **रि, संस्कृतमै रि:** परिवार, परिश्रम
- रीतिरिवाज: रीति दीर्घ, रिवाज ह्रस्व

## रचना: संवाद लेखन

- **बुँदा:** भन्नुपर्ने कुरा पहिले टिप्ने
- **शीर्षक, पृष्ठभूमि:** कोष्ठकमा ठाउँ, समय, पात्र
- **पात्र:** दुईदेखि पाँचछ जना; स्वभाव फरक; एउटै पात्रलाई लामो नबोलाउने
- **भाषा:** उमेर, स्तरअनुसारको बोलीचाली; **हाउभाउ:** कोष्ठकमा
- **टुङ्गो:** तर्कवितर्कपछि सहमति, निष्कर्ष
- एउटा पात्रलाई शङ्का गर्न दिने

**उदाहरणले पुष्टि:** मूल कुरा → 'जस्तै' भनेर एकदुई उदाहरण → निष्कर्ष

**प्रायः हुने गल्ती**

✗ पदयात्रा हिमालको बाटो मात्र
✓ पहाड, तराई र इतिहासको बाटो पनि

✗ 'गएछ' वर्तमान वा भविष्यत्
✓ अज्ञात: भूत कालमा मात्र

✗ अनेकार्थी र श्रुतिसमभिन्नार्थी एउटै
✓ लेखाइ हेर्ने: हार, हार; दिन, दीन

✗ रिषि, रितु
✓ ऋषि, ऋतु

✗ 'सुजनले घर गएको थियो'
✓ अकर्मकमा 'ले' लाग्दैन


Science Playground, कादुन्जे, भक्तपुर
https://science-playground.com/learn/grade-8-nepali/padamarg